No. of Printed Pages : 6 **MECE–004**

M. A. (ECONOMICS) (MEC)

Term-End Examination

June, 2025

MECE-004 : FINANCIAL INSTITUTIONS AND MARKETS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer questions from both the Sections as per instructions.*

Section—A

Note : *Answer any* ***two*** *questions from this Section.* 2×20=40

1. Discuss debt and equity capital as means of raising finance by a firm. In this context, explain the Modigliani-Miller hypothesis.

2. What are financial derivatives ? Discuss their types and functions.

3. What is a capital market ? Discuss the need for regulation of capital markets. In this context, describe the role of SEBI in the Indian capital market.
4. Describe the importance and the nature of flow-of-funds in an economy. Discuss the uses of flow-of-funds accounting.

Section—B

Note : *Answer any* ***five*** *questions from this Section.* 5×12= 60

5. Bring out the salient features of the Arbitrage Pricing Theory.
6. What is a 'bond' in the context of financial markets ? List the factors that influence the price of bonds.
7. Explain how expected utility is used in decision-making under uncertainty. In this context, explain the concept of risk-aversion.
8. What are financial derivatives ? What functions do they perform in an economy ? State the types of derivatives in an economy.

9. What is an Initial Public Offering (IPO) ? Explain why IPOs are usually underpriced.
10. Give a brief account of the important instruments of monetary policy.
11. Discuss the relationship among money supply, inflation and interest rates using Fisher's hypothesis.
12. Write short notes on the following :
    (a) Credit-risk
    (b) Demat securities

MECE–004

एम. ए. (अर्थशास्त्र) (एम.ई.सी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.ई.सी.ई.-004 : वित्तीय संस्थान और बाजार

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 100**

नोट : *दोनों भागों से यथानिर्देश प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

भाग—क

नोट : *इस भाग से किन्हीं* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

2×20=40

1. एक फर्म द्वारा वित्त जुटाने की ऋण एवं अंश पूँजी (equity capital) की विधियों पर चर्चा कीजिए। इस संदर्भ में मोदीग्लियानी–मिलर अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

2. वित्तीय व्युत्पन्न क्या होते हैं ? उनके प्रकार भेद और प्रकार्यों पर चर्चा कीजिए।

3. पूँजी बाजार क्या है ? पूँजी बाजारों के विनियमन की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए। इस संदर्भ में भारतीय पूँजी बाजार में सेबी (SEBI) की भूमिका का वर्णन कीजिए।

4. एक अर्थव्यवस्था में नकद प्रवाहों के महत्व और स्वरूप का वर्णन कीजिए। नकद प्रवाह लेखांकन के प्रयोगों पर चर्चा कीजिए।

भाग—ख

नोट : *इस भाग से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

5×12=60

5. पणन कीमत निर्धारण सिद्धान्त (Arbitrage Pricing Theory) के मुख्य अभिलक्षणों को स्पष्ट कीजिए।

6. वित्तीय बाजार के संदर्भ में 'बॉण्ड' क्या होता है ? उन कारकों की सूची बनाइए जिनका बॉण्ड कीमत पर प्रभाव होता है।

7. व्याख्या कीजिए कि अनिश्चितता की स्थिति में निर्णयन में प्रत्याशित उपयोगिता का प्रयोग कैसे किया जाता है। इस संदर्भ में जोखिम विरति की संकल्पना को समझाइए।

8. वित्तीय व्युत्पन्न क्या होते हैं ? ये एक अर्थव्यवस्था में किन प्रकार्यों का संपादन करते हैं ? एक अर्थव्यवस्था में सुलभ व्युत्पन्नों का वर्णन कीजिए।

9. प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (IPO) क्या है ? व्याख्या कीजिए कि IPO में अधोमूल्यांकन क्यों किया जाता है।

10. मौद्रिक नीति के महत्वपूर्ण उपस्करों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

11. मुद्रा की आपूर्ति, स्फीति और ब्याज की दरों के बीच संबंधों की फिशर की अवधारणा के प्रयोग के माध्यम से व्याख्या कीजिए।

12. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

    (क) साख-जोखिम

    (ख) डीमैट प्रतिभूतियाँ

× × × × ×